जहाजों से माल उतारने में महीनों लग जाते हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार को कुल कितना खर्च उठाना पड़ेगा और यदि बोनस देना स्वीकार कर लिया गया तो बोनस के रूप में कुल कितनी राशि अदा किये जाने की सम्भावना है ?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री चांद राम) : (क) 24-11-1978 और 10-1-1979 के बीच सरकार और पत्तन एवं गोदी कर्मचारियो के चारों महासंघो के प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत के दौरान किए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने से बंबई, कलकत्ता, मद्रास, कोचीन, विशाखा-पत्तनम, मार्मुगाव, काण्डला और पारादीप के बड़े पत्तनों में पोर्ट ट्रस्टों/डाक लेबर बोर्डों के लिये खर्च बढ़ जाएगा।

(ख) संभवत: माननीय सदस्य का आशय नवम्बर, 1978 में बड़े पत्तनों में हुई हड़ताल से है इस हड़ताल के दौरान, विशाखापत्तनम, पारादीप और कलकत्ता के पत्तनों में माल की उतारने-चढ़ाने के कार्य और अन्य कार्य अधिकांशत: सामान्य रहे। बम्बई को छोड़ कर, जहां पर जहाजों का बेशुमार जमाव होता जा रहा है, बाकी दूसरे पत्तनो में अधिकांश पिछला जमा काम निपटा दिया गया है।

हड़ताल के कारण विभिन्न पक्षों को कितनी हानि हुई, इस का अनुमान लगाना सम्भव नही है।

(ग) प्रश्न के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित विभिन्न निर्णयो को क्रियान्वित करने के लिए पोर्ट ट्रस्टो/डाक लेबर बोर्डों को कुछ अतिरिक्त व्यय करना पड़ेगा, जो अनुमानत. निम्न प्रकार से होगा —

	एरियर के कारण खर्च	आवर्ती सालाना खर्च
पोर्ट ट्रस्ट	662.42 लाख रु०	670.83 लाख रु०
डाक लेबर बोर्ड	91.70 लाख रु०	121 09 लाख रु०

पत्तन एवं गोदी कर्मचारियों पर बोनस एक्ट, 1965 लागू नही होता और इसलिये वे बोनस के हकदार नहीं हैं। फिर भी, इन कर्मचारियो को हर साल निर्णय ले कर बोनस के बदले अनुग्रह राशि दी जा रही है। परन्तु, 1978-79 वर्ष के लिए अनुग्रह राशि देने के बारे में अभी तक निर्णय नही किया गया है।

अरब देशों में रोजगार पाने के लिये गये व्यक्ति

2425. **श्री मीठालाल पटेल** : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अरब देशों में रोजगार की खोज में गत वर्ष बड़ी संख्या में लोग गये हैं और अब भी जा रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो ऐसे लोगों की संख्या कितनी है ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) और (ख). श्रम मंत्रालय ने 1978 के दौरान विदेशों में रोजगार के लिए लगभग 81,000 भारतीय श्रमिकों को नियुक्ति हेतु अनुमति प्रदान की है।

1979 के प्रथम 2 माह के दौरान, 24196 श्रमिकों को नियुक्ति हेतु अनुमति प्रदान की गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों की संख्या

2426. **श्री राम किशन** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 दिसम्बर, 1978 को प्रत्येक क्षेत्रीय रेलवे, रेलवे बोर्ड तथा अन्य सम्बद्ध कार्यालयो में वरिष्ठ ग्रेड के प्रशासनिक अधिकारियो तथा कनिष्ठ ग्रेड के प्रशासनिक अधिकारियो के कितने पद थे,

(ख) उक्त तिथि को तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत पदों की संख्या कितनी थी और उन की वास्तविक संख्या कितनी थी;

(ग) उपरोक्त भाग (क) और (ख) में उल्लिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन आदि पर अलग-अलग प्रति वर्ष कितना व्यय होता है और गत पाच वर्षों के दौरान इस व्यय में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई, और

(घ) यदि उपरोक्त भाग (क) में उल्लिखित पदों पर व्यय में वृद्धि हुई है तो बेरोजगारी को दूर करने के लिए उसी अनुपात में तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी के पदो पर भर्ती पर से प्रतिबन्ध न हटाने के क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) इस समय सामान्य तौर पर उपलब्ध और तैयार सूचना इस प्रकार है :—

(क) 31-3-78 को क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन यूनिटों, रेलवे बोर्ड तथा सम्बद्ध कार्यालयों तथा अभिकल्प एवं मानक संगठन में जूनियर प्रशासनिक ग्रेड के 1492 राजपत्रित पद थे।

(ख) 31-3-78 को श्रेणी III तथा II/के कर्मचारियों की संख्या 14,85,664 थी।

(ग) 31-3-78 तथा 31-3-74 को कुल देय वेतन इस प्रकार है :—

(करोड़ रुपयों में)

	*राजपत्रित कर्मचारी (ग्रुप 'क' तथा 'ख')	प्रतिशत बढ़ोतरी	श्रेणी III तथा II/ के कर्मचारी	प्रतिशत बढ़ोतरी
31-3-74 को	11.17		511.29	
31-3-78 को	18.69	61.3	846.28	67.2

*प्रशासनिक अधिकारियों के सम्बन्ध में अलग से आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

(घ) कार्यालयों में केवल चपरासियों की भर्ती को छोड़कर श्रेणी III तथा II/के पदों की भर्ती पर इस समय कोई रोक नहीं है। यह पाबन्दी कार्मिक विभाग द्वारा मंत्रालयों को जारी आदेशों के परिणाम स्वरूप लगी है।

दिल्ली परिवहन निगम की आय और व्यय

2427. श्री कचरूलाल हेम राज जैन : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत तीन वर्षों में दिल्ली परिवहन निगम की आय और व्यय का ब्यौरा क्या है ?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री चांद राम) : 1976-77, 1977-78 और 1978-79 (संशोधित अनुमान) की आय और व्यय निम्न प्रकार है।

वर्ष	आय (लाख रु०	व्यय (लाख रु०
1976-77	2276.82	3316.86
1977-78	2137.75	3757.99
1978-79 (संशोधित अनुमान)	2332.21	4295.31

ब्यौरा विवरण में दिया गया है।

विवरण

(लाख रु० में)

वर्ष 1976-77, 1977-78 और 1978-79 (अप्रैल, 1978 से जनवरी 1979 तक) की आय और व्यय

	1976-77	1977-78	संशोधित अनुमान 1978-79
1	2	3	4
तय की गयी कि० मी० दूरी दि०परिवहन (लाख रु० में)	1390.35	1344.86	1455.77
आय			
यातायात कमाई दि०परि०नि०	2243.15	2187.33	2311.52
आयी कर घटाइए	(-) 69.81	(-) 74.69	(-) 87.00